आइआइम रांची के 11वें दीक्षांत समारोह में 352 विद्यार्थियों को प्रदान की गयी डिग्री

आत्म मूल्यांकन कर अवसर हासिल करें दूसरों को दोषी नहीं समझें : राज्यपाल

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

राज्यपाल ने कहा : अगर अपने जीवन में सफल होना चाहते हैं, तो रिस्क लें

छात्र जीवन के बाद सफलता को पैसे से ना तौलें. अंतिम लक्ष्य तक कितनी ईमानदारी से पहुंच सकते हैं, यह तय करें. सफलता की अनुभूति जरूर होगी. इस क्रम में अपनी सफलता के लिए दूसरों को दोषी नहीं समझें. आत्म मूल्यांकन कर बेहतर अवसर को हासिल करें. ये बातें राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को आइआइएम रांची के 11वें दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं. वह संस्था के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि नौकरी करते हुए किसी की गुलामी नहीं करें. आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के साथ एकाग्र मन से अपने काम को पूरा करने की चाहत रखें. सफल होने के लिए जीवन में रिस्क लें. प्रबंधन के विद्यार्थी नौकरी से ज्यादा नये अवसर किस क्षेत्र में कैसे तैयार हो सकते हैं, इस दिशा में अपनी ऊर्जा लगायें. इससे स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा दे सकेंगे. समाज के लोगों के लिए नौकरी और रोजगार की संभावना तैयार करें. इस सोच से दूरी बना लें कि हमसे ना हो पायेगा. जीवन में हर काम संभव है, इसके लिए मिजाज को शांत रखें. सकारात्मक ऊर्जा के साथ रचनात्मक सोच व एकाग्र मन से अपने काम को पूरा करें.

सोशल मीडिया शराब से भी खतरनाक : राज्यपाल ने युवाओं से कहा कि सोशल मीडिया का नशा शराब के नशे से भी खतरनाक है. आज के युवा अपना ज्यादा समय इसमें बिता रहे हैं. इससे जीवन के कई अवसर का नुकसान हो रहा है. समय का सदुपयोग कर युवा खुद को इस रूप में तैयार करें कि किसी भी क्षेत्र में निराशा हाथ ना लगे. अपना नियमित रूटीन तैयार करें और सख्ती से उसका पालन करें.

352 विद्यार्थियों के बीच बांटी गयी डिग्रियां

दीक्षांत समारोह में सत्र 2020-22 के विभिन्न कोर्स के कुल 352 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गयी. इसमें एमबीए के 254, एमबीए-एचआरएम के 72, एग्जीक्यूटिव एमबीए के 23, पीएचडी के एक और एग्जीक्यूटिव पीएचडी के दो अभ्यर्थी शामिल थे. विभिन्न एमबीए प्रोग्राम के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करनेवाले कुल नौ अभ्यर्थियों को बोर्ड ऑफ गवर्नेंस चेयरमैन मेडल, डायरेक्टर्स मेडल और प्रोग्राम चेयरपर्सन मेडल से सम्मानित किया गया. वहीं, चौथा और पांचवां स्थान हासिल करने वाले अभ्यर्थी को बुक प्राइज दिया गया.

ये बने टॉपर

- **एमबीए** : प्रसून अदक, कार्तिक कापरी, अंकिता प्रिया, अभिषेक टंडन और जाह्नवी अग्रवाल
- **एमबीए - एचआरएम** : देब्रती चटर्जी, अरुणिमा चक्रवर्ती, बी ऐश्वर्या राव, शिवांगी मित्तल और करीम निशा अब्दुलकरीम
- **एक्जीक्यूटिव एमबीए** : सौमित्र मुखर्जी, प्रतीक खन्ना, शुभ्र धरा, चिरंजीत चक्रवर्ती और प्रियम मित्रा
- **पीएचडी प्रोग्राम** : आदित्य बनर्जी
- **एग्जीक्यूटिव पीएचडी** : राजा संकरण व रजत कुमार बेहरा

व्यवसाय विकसित करने का कोई शॉर्टकट नहीं

मौके पर आइआइएम रांची के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांडया ने कहा कि देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी प्रबंधन क्षेत्र से जुड़े लोगों की है. दूसरों से प्रेरणा लेकर नये अवसर तैयार करें. आने वाले समय में स्टार्टअप और उद्यमिता में सैकड़ों अवसर मिलेंगे, इसे असंख्य अवसर में बदलने का काम करें. व्यवसाय को खड़ा करने का कोई शॉर्टकट नहीं होता. समय के साथ अवसर का बेहतर इस्तेमाल करें. वहीं, निदेशक दीपक श्रीवास्तव ने सत्र 2020-22 की वार्षिक रिपोर्ट पेश की. बताया कि फाइनल प्लेसमेंट के दौरान 77 कंपनियां पहुंची थी. इससे एमबीए के विद्यार्थियों को सर्वाधिक वार्षिक पैकेज 32.21 लाख रुपये मिला, जबकि औसतन पैकेज 16.17 लाख रुपये वार्षिक मिला है.

विदेश जाने की चाह रखें, पर लौट कर अपने देश को समृद्ध बनायें

विशिष्ट अतिथि ब्लैक स्टोन इपीएल लि के एमडी सह ग्लोबल सीइओ आनंद कृपालु उपस्थित हुए. उन्होंने कहा कि रांची 10 वर्षों के बाद पहुंचा हूं, बहुत कुछ बदल गया है. 40 वर्ष पहले मैं भी कोलकाता के एक प्रबंधन संस्थान से एमबीए कर जीवन में आगे बढ़ा था. अनुभव कंघी की तरह है, जिससे जीवन को संवारा जा सकता है. अवसर मिले तो विदेश जरूर जायें, पर वहां स्थापित होने के उद्देश्य से ना जायें. वहां से लौटकर अनुभव से देश को समृद्ध बनाने की सोचें. **मौके पर कुछ अहम टिप्स भी दिये.**

1. करियर को कम दूरी की दौड़ न समझें, धीरे-धीरे अनुभव हासिल करते हुए अंतिम लक्ष्य तक पहुंचें. जिस भी संस्थान में नौकरी करें, वहां खुद को बेहतर रूप में स्थापित करें. इससे खुद-ब-खुद नये अवसर मिलेंगे.
2. अपने परिश्रम पर विश्वास रखें. इससे कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा. नयी चीजें लगातार सीखते रहें और हमेशा ग्रासरूट लेवल से नयी शुरुआत करें.
3. खुद को दूसरों से अलग बनाने की दिशा में काम करें. इससे बड़े अवसर के लिए तैयार हो सकेंगे.
4. आरामदायक जिंदगी की सोच से बाहर निकले. यह पीछे धकेलने का काम करती है. नये काम को सीखने का आत्मविश्वास बनाये रखें.
5. विरासत में मिली जिम्मेदारी को सफलता ना मान लें. अपने काम से उस क्षेत्र में नये अवसर तैयार करें.

टॉपर विद्यार्थियों ने बतायी योजना

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आइटी मंत्रालय के सीडैक से जुड़कर प्लानिंग के क्षेत्र में अपनी सेवा दे रहा हूं. भविष्य में सोशल इंटरप्रेन्योशिप को बढ़ावा देना लक्ष्य है.
- सौमित्र मुखर्जी

सेल रांची के रिसर्च एंड डेवलपमेंट से जुड़कर डाटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग को बढ़ावा दे रहा हूं. औद्योगिक क्षेत्र में विकास करना है.
- शुभ्र धरा

इंफोसिस कंसल्टिंग में बतौर बिजनेस कंसल्टेंट के पद पर हूं. भविष्य में फाइनांस का क्षेत्र समाज के लिए कैसे उपयोगी बन सकता है. इस दिशा में काम करूंगा.
प्रसून अदक

फेलाबेला इंडिया में बतौर प्रोडक्ट लीड एनालिस्ट के पद पर अपनी सेवा दे रहा हूं. अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर अवसर कैसे तैयार हो, इसकी पहल करने में जुटा हुआ हूं.
- कार्तिक कापरी

आइबीएम कोलकाता में वर्कडे कंसल्टेंट के पद पर कार्यरत हूं. भविष्य में तकनीक की मदद से महिला सशक्तीकरण को कैसे बढ़ावा दे सकती हूं, इसकी पहल करूंगी.
- देब्रती चटर्जी